रायपुर, वर्ष-18, अंक- 11, नवंबर 2022, मूल्य ₹10

दीप कमल

महतारी हुंकार

गद्दी छोड़ो भूपेश सरकार

भानुप्रतापपुर उपचुनाव के नामांकन के बाद चारामा में भाजपा की भव्य सभा में कांग्रेस को उखाड़ फेंकने का संकल्प।
भानुप्रतापपुर से भाजपा उम्मीदवार श्री ब्रह्मानंद नेताम ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया।

दीप कमल

संपादक
सुभाष राव

कार्यकारी संपादक
पंकज कुमार झा

मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुदेव साय द्वारा, भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़, के लिए मूणत ऑफसेट प्रिंटर्स रायपुर से मुद्रित एवं एकात्म परिसर, रजबंधा मैदान, रायपुर से प्रकाशित।

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ई-मेल
jay7feb@gmail.com

फोन
0771-2233500, 4266000

सोशल मीडिया से

Om Prakash Mathur
2 d

छत्तीसगढ़ का हर कार्यकर्ता मोदी जी की कल्याणकारी नीतियों को लेकर प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे सरकार निश्चित बनेगी।
प्रदेश पदाधिकारी - संभाग प्रभारी बैठक

Bharatiya Janata Party (BJP)
Bjp Chhattisgarh
Shivprakash

BJP @BJP4India · 4d

पिछले 8 वर्षों में हमारे जनजातीय भाई-बहन देश की हर योजना के, हर प्रयास के प्रेरणा भी रहे हैं और आरंभ में उनका स्थान भी रहा है।

केंद्र सरकार की योजनाओं से देश के करोड़ों आदिवासी परिवारों का जीवन आसान हुआ है, उन्हें देश में हो रहे विकास का लाभ मिला है।

- पीएम @narendramodi

BJP Chhattisgarh @BJ... · 1d

'दिल्ली में अफताब और छत्तीसगढ़ में रूहाब महतारी माँगे जवाब

कांकेर जिले में एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव रूहाब मेमन ने कालेज की छात्रा से दुष्कर्म किया, कुछ विशेष लोगों द्वारा बार-बार इस प्रकार की घटनाओं में संलिप्तता कांग्रेस के आपराधिक प्रवृति के समर्थन की ओर इशारा करता है।

Dr Raman Singh
@drramansingh

कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री @bhupeshbaghel चुनाव जीतने के लिए सिर्फ झूठे वादे और खोखली घोषणाएं करते हैं।

इस बार भानुप्रतापपुर की जनता उनके झूठ में नहीं फंसेगी और 4 सालों का हिसाब करेगी।

Arun Sao
1 d

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी माननीय श्री Om Prakash Mathur जी की गरिमामयी उपस्थिति में कोर ग्रुप, प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, प्रदेश के मोर्चा प्रकोष्ठ तथा जिला प्रभारी, सह प्रभारी एवं जिलाध्यक्षों की बैठक का शुभारंभ करते हुए प्रास्ताविक भाषण दिया।
प्रदेश प्रभारी के रूप में छत्तीसगढ़ में प्रथम प्रवास के अवसर पर माननीय श्री ओम प्रकाश माथुर जी का पुष्पगुच्छ और शॉल भेंटकर स्वागत किया।

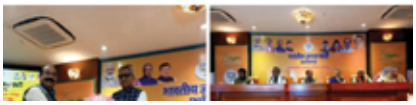

BJP Chhattisgarh Retweeted

Amit Malviya @amitm... · 1d

छत्तीसगढ़ के कांकेर में एनएसयूआई (कांग्रेस छात्र संगठन) के प्रदेश महासचिव रुहाब मेमन को कालेज की छात्रा के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया। रुहाब को उपचुनाव के लिए सह प्रभारी बनाया गया है।

लड़की हिंदू है, जनजातीय समाज से है।

क्या राहुल और प्रियंका छत्तीसगढ़ जाएँगे?

संपादकीय

महतारी हुंकार से हिली प्रदेश की कांग्रेस सरकार

सम्पूर्ण विश्व में शायद भारत ही ऐसा देश है जिसे हम 'मां' मानते हैं। मां और मातृभूमि हमारे लिए स्वर्ग से भी बढ़ कर होता है, इसी तरह भारत में छत्तीसगढ़िया ही शायद इकलौते ऐसे हैं, जो अपने प्रांत को 'महतारी' का सम्मान देते हैं।

प्रदेश निर्माण के बाद पहली निर्वाचित भाजपा सरकार प्रदेश में स्त्री सशक्तीकरण को एक नया आयाम मिला था। तात्कालीन सरकार ने अपने 15 वर्ष के शासन में पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व, नगरीय निकाय में 33 प्रतिशत आरक्षण, राशन कार्ड में मुखिया के रूप में महिलाओं का नाम ही दर्ज करने, जमीन का रजिस्ट्री महिलाओं के नाम कराने पर आकर्षक छूट देने, बालिकाओं को मुफ्त साइकिल, गणवेश सभी को, मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, शासकीय सेवा में उम्र की छूट... समेत ऐसी तमाम ऐतिहासिक रूप से सफल योजनायें लागू हुई जिससे प्रदेश की बेटियों को एक नया आसमान मिला था। वे साकार करने लगी थीं लगातार अपने सपने को। आज शासकीय सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व देखिये, पुलिस से लेकर प्रशासन तक में, शिक्षा से लेकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व आदि के मामले में भी प्रदेश की बेटियों का डंका देश भर में बज रहा है। यह सब इसलिए संभव हुआ क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण करने वाली भाजपा को यह पता था कि पुरखों के सपनों के अनुरूप छत्तीसगढ़ को गढ़ने के लिए 'स्त्री प्रथम' की भावना को हर स्तर पर लाना होगा। उन्हीं भावनाओं का प्रकटीकरण प्रदेश की उपरोक्त वर्णित उपलब्धियों में हुआ था।

लेकिन, बड़े-बड़े असंभव से वादे कर सत्ता में आ गयी कांग्रेस सरकार के आते ही बेटियों के सपनों को चकनाचूर कर दिया गया हो। प्रदेश की बदहाल क़ानून-व्यवस्था, पिछले चार वर्ष के कांग्रेस शासनकाल में 6 हज़ार से अधिक बलात्कार, छेड़खानी, हत्या, आत्महत्या को विवश होती बेटियां, रोजी-रोजगार का पैदा कर दिया गया संकट, रेडी टू ईट में रोजगार प्राप्त 22 हज़ार से अधिक महिलाओं का रोजगार छीनते हुए इतने परिवारों को सड़क पर ला देने, 16 लाख से अधिक महिलाओं के सर से छत छीन लेने,आदिवासी क्षेत्र की 25 हज़ार से अधिक महतारी की गोद सूनी कर, इलाज और पोषण के अभाव में इतने बच्चों को काल के ग्रास में जाने को विवश कर भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने शासन का एक खौफनाक चेहरा प्रस्तुत किया है। हालात भयावह कर दिए गए हैं। ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस को वोट देने की एक भूल ने जैसे प्रदेश का पूरा गुलशन जला दिया हो।

देश-दुनिया में बेहतर आर्थिक प्रबंधन के लिए पहचान बना लेने वाले प्रदेश को आज कर्ज के मकड़जाल में बुरी तरह उलझा कर रख दिया गया है, ऐसा तब है जबकि प्रदेश के माटी पुत्रों को कर्जमुक्त करने का सपना दिखा कर सत्ता में आयी थी कांग्रेस। इसी तरह आज शासन द्वारा शराब की घर पहुंच सेवा देकर महतारी के माथे पर दाग लगाया गया है, ऐसा तब है जबकि वादा शराबबंदी का था। किसानों की कमर मंडी टैक्स के नाम पर तोड़ी गयी है जबकि वादा 'मंडी टैक्स' ख़त्म कर देने का था, बेतहाशा बढ़ते बिजली बिल से हलाकान करने का विषय देखिये जबकि वादा बिजली बिल आधा कर देने का था। 20 हज़ार से अधिक युवाओं, 800 से अधिक किसानों की आत्महत्या का मार्मिक प्रसंग है जबकि वादा 10 लाख रोजगार का था। 10 लाख बेरोजगारों को प्रति

महीने 25 सौ रूपये बेरोजगारी भत्ते का दिवास्वप्न दिखा कर उनका वोट हड़प लेने और सत्ता में आने के बाद सीधे तौर पर अपनी बात से मुकर जाने का है। गंगाजल हाथ में लेकर शपथ खा कर उससे मुकर जाने से लेकर कांग्रेस सरकार ने वास्तव में छल, प्रपंच, धोखाधड़ी, विश्वासघात, झूठ, नकारापन, निकम्मेपन का ऐसा रिकॉर्ड बनाया है जिससे आज छत्तीसगढ़ शर्मसार है। घर की मुखिया होने के कारण ऐसे तमाम अत्याचारों से सबसे अधिक मातृशक्ति ही प्रभावित होती ही हैं।

इन्हीं मातृशक्ति का आक्रोश पिछले दिनों प्रकट हुआ जब प्रदेश की न्यायधानी बिलासपुर में एक लाख से अधिक महिलाओं ने उपस्थित होकर हुंकार भरी। भाजपा महिला मोर्चा की अगुआई में जमा हुई मातृशक्ति ने वास्तव में इस भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार के होश उड़ा दिए हैं। प्रदेश के संसाधनों की बेतहाशा लूट कर उसे 10 जनपथ तक भेज देने को अपना अधिकार समझ लेने वाली कांग्रेस को यह पता चल गया है कि उसके काठ की हांडी को इस बार छत्तीसगढ़ की मां-बहनें अपने चूल्हे-चौके से उखाड़ फेक देगी। दुबारा किसी भी कीमत पर भूपेश बघेल की यह दो पैसे की हांडी तो अब चढ़ने वाली नहीं है।

उत्तर प्रदेश के अमेठी जैसे नेहरू-वाड्रा परिवार के गढ़ से उसे उखाड़ फेक देने वाली प्रखर भाजपा नेत्री श्रीमती स्मृति ईरानी की दहाड़ ने यह साबित कर दिया है कि अवसर मिलने पर अगले वर्ष प्रदेश की जनता अमेठी की तरह छत्तीसगढ़ से भी उस एक परिवार की बादशाहत को ख़त्म करने अपनी भूमिका निस्संदेह निभाएगी। भाजपा का 'कांग्रेस मुक्त भारत' का संकल्प अंतिम रूप से छत्तीसगढ़ में ही सिद्ध होगा। कांग्रेस की ताबूत में आख़िरी कील निश्चय ही यहीं ठुकनी है, प्रदेश की महतारियों ने अपने तेजस्वी हुंकार से इसका संकेत तो दे ही दिया है। भाजपा की यह 'महतारी हुंकार रैली' प्रदेश की राजनीति में मील का पत्थर साबित होने जा रही है, इसमें रत्ती भर भी संदेह की गुंजाइश नहीं है। ●●●

अपनी प्रतिक्रिया कृपया इस आईडी पर दें-

jay7feb@gmail.com

राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती

पं. दीनदयाल उपाध्याय

अपने सुख, हित और उन्नति के लिए व्यक्ति को न केवल अपने शरीर का, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा का भी विचार करना होगा, क्योंकि इन चारों का समुच्चय ही व्यक्ति है। इसी के साथ हमने यह भी विचार किया था कि व्यक्ति केवल अकेली इकाई नहीं, वह एक सामाजिक प्राणी है। समाज के लिए उसका घनिष्ठ संबंध है। मनुष्य की बौद्धिक, धार्मिक, भौतिक, मानसिक, आध्यात्मिक मान्यताएं, मूल्य, आदर्श-सब समाज से मिलते हैं। इसलिए समाज को भुलाकर उसका विकास नहीं हो सकता। परंतु यह एक विवाद है, और प्रश्न बना है कि व्यक्ति तथा समाज में कौन बड़ा है और दोनों में क्या संबंध है? कुछ लोग व्यक्ति को प्रमुखता देते हैं। दूसरे लोग कहते हैं कि समाज बड़ा है। समाज को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति व्यक्ति द्वारा करवानी चाहिए। व्यक्ति की सभी गतिविधियां समाज की आवश्यकता के अनुरूप हों। यह विवाद बेमानी है। वास्तव में व्यक्ति और समाज का जीवमान संबंध है।

समाज क्या है?

मोटे रूप में समाज समूहवाचक संज्ञा की ध्वनि है। समाज वर्ग का द्योतक होता है। कुर्सी एक वस्तु है और फर्नीचर समूहवाचक है। इसी प्रकार विद्यार्थी तथा क्लास का संबंध है। समाज भी व्यक्तियों के समूह को कहा जाएगा।

दूसरा प्रश्न होता है, समाज में कितने लोगों का कैसा समूह होना चाहिए? क्या व्यक्तियों के मिलने से ही समाज बन जाता है? क्या रोटरी क्लब, अंतरराष्ट्रीय क्लब, रजिस्टर्ड सोसाइटी समाज कहलाएंगे? क्या सिनेमा, रेलगाड़ी, मैच देखनेवाले दर्शक, बाज़ार की भीड़ समूह होने के कारण ही समाज कहे जाएंगे? क्या चोर-डाकुओं का गिरोह, जिसमें प्रेम-अनुशासन दोनों ही आते हैं, अपने वर्ग के लिए उत्सर्ग की भावना भी उनमें होती है, समाज कहलाएगा? वास्तव में यह समाज नहीं कहलाएगा।

समाज चैतन्यमान इकाई है, जीवमान इकाई है। इसे 'आर्गेनिक यूनिट' भी कहते हैं। घोड़ा तथा पेड़ जोड़-तोड़कर नहीं बनाए जा सकते। मोटर अलग-अलग पुर्जो को मिलाकर बनाई जाती है। पेड़ के लिए सबसे पहले अंकुर होता है, बाद में पौधा, तना, शाखा और फल-फूल इसी प्रकार समाज पैदा होता है। वह जीवमान इकाई है। आप एक कंपनी, क्लब, चोरों डाकुओं का गिरोह बना सकते हैं, पर हिंदू-अंग्रेज जर्मन जापानी समाज को किसी ने बनाया है, ऐसा नहीं कह सकते।

समाज की मर्यादा होती है। मानवों का समाज इकाई नहीं है। जिले के लोग, पार्टी के लोग इकाई नहीं होते। इकाई तो हम प्राचीन काल की जातियों को कह सकते हैं। ये आजकल की जातियां- ब्राह्मण, ठाकुर, बनिए से भिन्न होती हैं। प्राचीन जाति समाज का पर्याय रूप मानी जाती थी। हिंदू एक जाति है, इसे भगवान् ने किसी उद्देश्य से हो बनाया है। सृष्टि की प्रत्येक वस्तु किसी-न-किसी उद्देश्य से बनी है। कोई वस्तु निरर्थक नहीं है। आजकल कल-कारखानों में 'रेशनलाइजेशन', यानी बेकारों की छंटनी होती है। भगवान् भी सृष्टि की प्रत्येक वस्तु का 'रेशनलाइजेशन' करता रहता है।

भगवान राम का नाम लेने से जो श्रद्धा और भक्ति के भाव पैदा होते हैं, वे केवल एसोसिएशन के कारण नहीं, वरन् एक इकाई होने के कारण होते हैं। पांव में कांटा लगते ही दिमाग को पता लग जाता है, क्योंकि हमारा संपूर्ण जीवन एक इकाई है, एक प्राण है। प्राण, जीवात्मा और आत्मा के अर्थ में अंतर है। लेकिन मोटे रूप में आत्मा, प्राण, जीव एक अर्थ में प्रयोग किए जाते हैं। जब तक शरीर में प्राण या जीव या आत्मा विद्यमान है, तब तक इसका अंग-प्रत्यंग सक्रिय रहता है। उसके समाप्त होने के बाद शरीर में कोई ताकत नहीं रहती। समाज की भी ऐसी ही आत्मा होती है। उसे हम चिति कहते हैं। चिति का अर्थ चैतन्य होता है। एक जीवात्मा और दूसरी जीवात्मा में अंतर होता है। समाज में भी जिनकी एक चिति है। वह एक समाज है, जिनकी चिति अलग-अलग होती है वह समाज भी अलग-अलग होते हैं।

एक आत्मा या चितिवाला समाज जब एक भूमि पर रहता है तथा समाज और भूमि में माता-पुत्र का संबंध होता है। इसे हम राष्ट्र कहते हैं। राष्ट्र केवल करोड़ों लोगों का समूह मात्र नहीं। राष्ट्र तो पैदा होते हैं। राष्ट्र बनाए नहीं जाते।

चीन का आक्रमण हुआ, सारे देश में एकता की भावना प्रकट हुई। हिमालय हमारा है। इसकी रक्षा हमें करनी है यह नारा सारे देश में बुलंद हुआ। द्रविड़ स्थान की मांग करनेवाले लोग भी कहने लगे, हिमालय का अपमान नहीं होने देंगे। सारे देश में राष्ट्रीयता का ज्वार आया। चीन के हमले ने सिद्ध कर दिया कि हम एक राष्ट्र। राष्ट्र बनाया नहीं जाता, वह तो स्वतः पैदा होता है।

भगवान राम का नाम लेने से जो श्रद्धा और भक्ति के भाव पैदा होते हैं, वे केवल एसोसिएशन के कारण नहीं, वरन् एक इकाई होने के कारण होते हैं। पांव में कांटा लगते ही दिमाग को पता लग जाता है, क्योंकि हमारा संपूर्ण जीवन एक इकाई है, एक प्राण है।

राष्ट्र के साथ हमारा संबंध मातृवत् है। क्योंकि व्यक्ति और समाज का संबंध अन्योन्याश्रित होता है। इसी के लिए जीवन देना त्याग कहलाता है। बंदा वैरागी का जीवन देना, शहीद होना माना गया है। वहीं कई लोग कुतुब मीनार से कूदकर मरते हैं, उसे आत्महत्या कहा जाता है। एक राष्ट्र की आत्मा की रक्षा करने के लिए शहीद होता है और दूसरी आत्महत्या है। राष्ट्र की आत्मा का जीवन तथा जीवन पद्धति के साथ संबंध होता है। मां बच्चे को खिलाने में आनंद का अनुभव करती है। उसी प्रकार हमारा राष्ट्र के साथ संबंध है। इसके लिए सब कुछ करने में हमें आनंद होता है।

पागल मनुष्य कपड़े फेंक देता है तथा संन्यासी भी वस्त्र त्यागकर नंगा रहता है। पहले व्यक्ति को पागलखाने भेज दिया जाता है और दूसरे व्यक्ति के पांव छुए जाते हैं। पहले का समाज के साथ कोई संबंध नहीं रहता, दूसरा समाज सेवा का व्रत लिये होता है। राष्ट्र मानव जीवन की एक स्वाभाविक इकाई है। कई राष्ट्र मिलकर मानव जीवन बनता है।

आजकल नाप-तौल से ग्राम तथा मीटर की पद्धति चलती है। यह नाप-तौल की इकाई कहलाती है। इसी प्रकार राष्ट्र भी एक इकाई है। इसके छोटे टुकड़े जाति, धर्म हैं और वृहद भाग अनेक राष्ट्र हैं। राष्ट्र एक मौलिक इकाई होने से समाप्त नहीं किया जा सकता। वह प्राकृतिक रूप से समाप्त हो जाए तो बात दूसरी है। राष्ट्र को तोड़ने के प्रयास कइयों ने किए। इस्लाम ने कहा, संसार के मुसलमान एक हैं, पोप ने भी संसार में ईसाई धर्म के प्रचार की चेष्टा की, कम्युनिस्टों ने भी 'दुनिया के मजदूरों एक हो' का नारा लगाया और राष्ट्र-भावना समाप्त करने की चेष्टा की, लेकिन जब जर्मनी ने रूस पर आक्रमण किया, तब उसी रूस ने 'फादरलैंड' का नारा लगाया, तब युद्ध में विजय मिली। आज चीन और रूस का विरोध राष्ट्रवाद का विरोध है। दुनिया में राष्ट्रवाद की सत्ता ही प्रभावी रही है।

राष्ट्रों में एकरूपता के कारण मानव हित संपादित होता है। राष्ट्रीयता कभी मानवता विरोधी नहीं होती। जिस प्रकार जीभ दांतों के बीच रहती है, फिर भी दांतों द्वारा कटती नहीं, यदि ग़लती से कट भी जाती है तो दांत नहीं तोड़े जाते। इसी प्रकार चलते-चलते पैर नहीं टकराते, यदि कभी टकरा भी गए तो पांव को नहीं काटा जाता। राष्ट्र भी कभी-कभी गलती से आपस में टकरा जाते हैं और संघर्ष कर बैठते हैं, यह विकार के कारण है। यह स्वाभाविक अवस्था नहीं है। इस कारण राष्ट्र को ही समाप्त नहीं किया जा सकता।

देश में स्वराज्य चाहिए, यह आवश्यक है उसमें रुचि लेना स्वाभाविक है, पर हमारा मुख्य कार्य राष्ट्र में ताकत पैदा करना है। राष्ट्र में शक्ति रही तो सब ठीक होगी। राष्ट्र की प्रगति सर्वोपरि है। राष्ट्र चैतन्य हो। सामर्थ्यशाली हो। संघ इसी शक्ति की उपासना में लगा है। इस सामर्थ्य को पैदा करना हमारा कार्य है। इसकी साधना में रत रहें और राष्ट्र को शक्तिशाली बनाएं, इसी में राष्ट्र की आत्मा का विकास है। ●●●

- संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: मई 27, 1967 (भाषण अंश)

छत्तीसगढ़ की पावन भूमि, महापुरुषों व जनता को मेरा प्रणाम : ओम माथुर

छत्तीसगढ़ भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी श्री ओम प्रकाश माथुर का पहला प्रदेश प्रवास कार्यकार्ताओं में ऊर्जा का संचार कर गया। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं में यह विश्वास और दृढ़ हुआ कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व का 'कांग्रेस मुख्य भारत' के संकल्प की सिद्धि अंततः छत्तीसगढ़ से ही होगी। 2023 में भाजपा यहां कांग्रेस के ताबूत में अंतिम कील ठोकेगी, प्रदेश प्रभारी के प्रसास के दौरान मैराथन बैठकों का यही संदेश और संकेत रहा।

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने छत्तीसगढ़ आगमन पर कहा कि वे छत्तीसगढ़ की पावन भूमि को प्रणाम करता हैं। महापुरुषों का स्मरण करते हैं। आजादी के आंदोलन से लेकर के हर जगह छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान रहा है, यहां की जनता को भी प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव को चुनौती मानकर चलती है। हमने बड़ी-बड़ी चुनौतियां देखी हैं और छत्तीसगढ़ में हमारे लिए कोई चुनौती नहीं है। प्रदेश भाजपा प्रभारी ओम माथुर का रायपुर आगमन हुआ। विमानतल पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आने वाला कल भाजपा का है।

विमानतल पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, नंदकुमार साय, प्रेम प्रकाश पांडेय, रायपुर सांसद सुनील सोनी, संतोष पांडे, रामविचार नेताम शिवरतन शर्मा नंदे साहूसहित सभी वरिष्ठ नेताओं ने श्री माथुर का आत्मीय स्वागत किया।

विमानतल से युवा मोर्चा की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में बाइक रैली के रूप में प्रदेश प्रभारी का स्वागत करते हुए भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचे। माना में माना मंडल के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर प्रदेश प्रभारी का स्वागत किया। श्री ओम माथुर ने वहां पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष

चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा एक्सप्रेस वे के निकट रायपुर ग्रामीण मंडल ने प्रदेश प्रभारी का स्वागत किया। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में महिला मोर्चा ने तिलक लगाकर ओम माथुर जी का स्वागत किया।

आक्रामक होकर चुनाव में जायें, निश्चिंत रहे, छत्तीसगढ़ में भी फिर भाजपा की सरकार बनेगी

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने भाजपा पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आप जो भाजपा के हरावल दस्ता हैं, उनके दम पर मैं फिर कहता हूं कि छत्तीसगढ़ हमारे लिए कोई चुनौती नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से हम आज हर गांव, हर कस्बा, हर मोहल्ला, हर शहर हर वर्ग की चिंता करने वाली पार्टी बन गए हैं। हम सभी समुदाय के लिए कार्य कर रहे हैं और जनता हमसे अपेक्षा भी कर रही है। यह दर्शाता है कि भाजपा पर जनता का विश्वास बढ़ा है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि हमारा कार्यकर्ता बिना अहम के हमेशा पार्टी और देश के लिए कार्य करने को तैयार खड़ा है। कार्यकर्ताओं

की सक्रियता ही हमारी शक्ति है। क्योंकि लाखों लाख कार्यकर्ताओं ने अपनी मेहनत से भाजपा को खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि आक्रामक होकर चुनाव में जायें। निश्चिंत रहे, छत्तीसगढ़ में भी फिर से भाजपा की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा भाजपा डिफेंसिव नहीं एग्रेसिव मोड पर चुनाव लड़ेगी।

भाजपा राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी ने अपने संबोधन में संगठनात्मक निर्देश देते हुए कहा कि भाजपा मोर्चों की साल भर की एक कार्ययोजना होनी चाहिए और सारे मोर्चों को राजनीति के साथ सेवा, सामाजिक व रचनात्मक कार्यों में अपनी भूमिका बढ़ानी चाहिए। केंद्र की योजनाएं जिससे सामाजिक परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन आये हैं, उस विषय को लेकर जनता तक पहुंच कर उनसे चर्चा करना है। उन्होंने जीत का मंत्र देते हुए कहा कि हमें सत्ता पक्ष के विधायक हराना हैं। इससे सरकार तो स्वयमेव ही हार जाएगी।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जम्वाल ने बैठक में कहा कि मंडल तक हमारा गठन बहुत अच्छा है। मंडल से बूथ तक नीचे के गठन को गतिशील बनाने के लिए उन्होंने सतत प्रवास की योजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश का भाजपा कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ में सरकार परिवर्तन का विचार बना चुका है और उस हेतु अपने स्तर पर संघर्ष कर रहा है। उनकी ऊर्जा को सम्मिलित करके एक दिशा में ले जाने के लिए प्रदेश से मंडल स्तर के पदाधिकारियों को अपने प्रवास बढ़ाने का उन्होंने निर्देश दिया।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के सभागार में आयोजित बैठक के आरंभ में प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव ने प्रदेश प्रभारी ओम माथुर का सदन से परिचय कराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात के माध्यम से बूथ स्तर के पदाधिकारी को जनता के साथ निरंतर बैठक करना चाहिए। छत्तीसगढ़ की माटी की बेटी, बहू के अधिकार के लिए आयोजित महतारी हुंकार रैली की सफलता के लिए उन्होंने महिला मोर्चा को बधाई दी व प्रदेश की जनता, जिनका प्रधानमंत्री आवास अधिकार है, उसे दिलाने के लिए एक बड़े आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा की।

भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने प्रदेश की जनता को उसका प्रधानमंत्री आवास दिलाने के लिए आंदोलन प्रदेश स्तर से लेकर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, कांग्रेस कोई चुनौती नहीं

प्रदेश प्रभारी श्री ओम माथुर ने प्रेस वार्ता में स्पष्ट तौर पर कहा कि अगले साल होने वाले छत्तीसगढ़ चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक बहुमत से विजय हासिल कर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कांग्रेस की तरह यहां एक परिवार का राज नहीं चलता। उन्होंने कहा कि 8 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीतिक दिशा बदल दी है। अब जातिवाद, वंशवाद की राजनीति नहीं चलती। अब विकासवाद की राजनीति चलती है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए कांग्रेस कोई चुनौती नहीं है। हम अपने कार्यकर्ताओं के साथ रणनीति बना रहे हैं और कांग्रेस द्वारा फैलाई गई तमाम बातों का तोड़ हमारे पास है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं करती जबकि कांग्रेस ने हमेशा ऐसा किया है। उन्होंने तो वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी जी से मुख्यमंत्री रहते हुए घंटों पूछताछ करवाई थी और वर्तमान गृहमंत्री अमित शाह को गिरफ्तार भी करवाया था। तब स्पष्ट है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किसने किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लूट और भ्रष्टाचार चल रहा है। यह प्रदेश की जनता देख रही है।

प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने संवाददाता सम्मेलन में संगठन प्रवास की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि दो दिन में सभी स्तर पर बैठकें करके आगे की कार्ययोजना बनाई गई है।

तत्परता ही मीडिया विभाग की सफलता का मूलमंत्र

भाजपा प्रदेश मीडिया के पुनर्निर्मित विभाग का उद्घाटन छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने इस अवसर पर मीडिया विभाग को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रथम प्रश्न हमारी तरफ से होना चाहिए। आगे क्या बातें आने वाली हैं, इसका अंदाज भाजपा के मीडिया विभाग को पहले से होना चाहिए और यह तैयारी करनी चाहिए कि इन बातों पर उसका जवाब क्या होगा। सभी विषयों पर जवाब तर्कसंगत तरीके से होना चाहिए और यह जवाब इस तरह होने चाहिए कि प्रति प्रश्न की कोई गुंजाइश ही न रहने पाए। हर व्यक्ति को भाषा की मर्यादा का विशेष ध्यान देना चाहिए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने मीडिया विभाग के नवीनीकरण के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया विभाग व मीडिया के बंधुओं को इस नए स्वरूप में अपने कार्य का निष्पादन करने में काफी सुविधा होगी और मीडिया विभाग की कार्य क्षमता में और अधिक विस्तार होगा।

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा हमारे हृदय में है, हमें कांग्रेस से सीखने की ज़रूरत नहीं है: भाजपा

राज्योत्सव के पुनीत अवसर पर छत्तीसगढ़ निर्माता माननीय अटल जी को हम 3 करोड़ छत्तीसगढियों की तरफ से कृतज्ञता ज्ञापन।

जब भी छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान की बात होगी तो इस संबंध में कोई भी बात करने से पहले कांग्रेस को छत्तीसगढ़ की जनता से हाथ जोड़ कर माफी मांगनी चाहिये। हर तरह की पात्रता रखते हुए भी अविभाजित मध्यप्रदेश और देश में दशकों तक शासन में रहने के बावजूद छत्तीसगढ़ का निर्माण नहीं करने वाली कांग्रेस को, जिसके भूपेश बघेल जी नेता हैं, वास्तव में पश्चाताप व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस को उसके लिए प्रायश्चित भी करनी चाहिए।

प्रदेश भाजपाध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस सरकार की झूठी स्थानीयतावाद का खुलासा करते हुए कही। श्री साव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता के लिए छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा उसके हृदय में विराजमान है। कांग्रेस की तरह यह भाजपा के लिए कोई चुनावी विषय या सुर्खियां बटोरने का उपक्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि

न केवल छत्तीसगढ़ प्रदेश बल्कि हमारी महतारी की भाषा 'छत्तीसगढ़ी' को भी राजभाषा के सिंहासन पर आरूढ़ करने पर भाजपा को गर्व है। इस गर्व की अनुभूति हर भाजपा कार्यकर्ता हमेशा करता है।

श्री साव ने कहा कि पंद्रह वर्षों में शासनकाल में भाजपा ने कांग्रेस के कुशासन में दशकों के दौरान छत्तीसगढ़ महतारी में मस्तक पर लगे पिछड़ापन, शोषण, दमन, अशिक्षा आदि के दाग को धोकर छत्तीसगढ़ महतारी का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है। महतारी के वैभव की स्थापना हमने की थी, छत्तीसगढ़ महतारी की हम तीन करोड़ संतानें अपनी महतारी के कोरा में पिछड़ा प्रदेश का दाग हटा कर स्वाभिमान से रह रहे थे, छत्तीसगढ़ को समृद्ध अवसरों के प्रदेश के रूप में पहचान मिली थी, इसके लिए हमें गर्व है।

उन्होंने कहा कि महज चुनावी लाभ के लिए बार-बार छत्तीसगढ़ महतारी के नाम का इस्तेमाल करने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भाजपा कुछ सवाल पूछना चाहती है। वे न केवल आज सत्ता में होने के कारण विपक्ष के रूप में हमारे सवालों का जवाब देने के लिए नैतिक रूप से बाध्य हैं बल्कि भूपेश जी को अपनी पार्टी के दशकों के काली करतूतों का भी हिसाब देना होगा। **भाजपा के सवाल :-**

- सीएम भूपेश बघेल की कांग्रेस ने दशकों तक छत्तीसगढ़ को 'राज्य' का सम्मान देने से वंचित क्यों रखा? क्या भूपेश जी को इस बात के लिए अपनी पार्टी पर शर्म है या वे इसलिए गौरव महसूस करते हैं? अगर शर्म है तो सबसे पहले इसलिए छत्तीसगढ़ की जनता से बिना शर्त माफी कब मांगेंगे?
- क्या छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का विरोध करते रहने वाली कांग्रेस का सदस्य के नाते बघेल शर्म महसूस करते हैं, या इस पर गर्व हैं उन्हें?
- क्या छत्तीसगढ़ी को राजभाषा के सम्मान से कांग्रेस द्वारा दशकों तक वंचित रखने पर शर्म आती है कांग्रेस को?
- तीन-तीन राजयसभा सदस्य बनाने का मौक़ा अभी मिला भूपेश बघेल को, वे सभी के सभी प्रदेश से बाहर से हैं और दूर-दूर तक उनका छत्तीसगढ़ से कोई सरोकार नहीं है। क्या एक भी छत्तीसगढ़िया उन्हें इस लायक नहीं लगा? अपने इस निर्णय पर गर्व है बघेल जी को?
- इससे पहले भी राज्यसभा से बाहर की नेता ही भेजा कांग्रेस ने क्या इस पर गर्व है कांग्रेस को?
- क्या आपने तीनों राज्यसभा सदस्य की कोई भूमिका देखी है? क्या राज्योत्सव शुभकामना तक देने की ज़हमत उठाया सभी सांसदों ने?
- छत्तीसगढ़ के संसाधनों के लूट-खसोट पर गर्व है बघेल को?
- हम सब जानते हैं कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को चारागाह बना दिया है। बक़ायदा कांग्रेस के लिए एटीएम का काम कर रहे बघेल, अपनी इस भूमिका पर एक छत्तीसगढ़ी के नाते गर्व है बघेल को?
- Ed, it, CBI आदि की कारवाइयों में प्रदेश की कैसी छवि निर्मित हुई है और किस तरह बघेलजी के अनेक करीबियों के विरुद्ध प्रदेश के संसाधन का लूट-खसोट करने के स्पष्ट साक्ष्य मिले हैं, क्या इस पर गर्व है बघेल को? क्या ऐसे भ्रष्टाचारों से छत्तीसगढ़ का सम्मान बढ़ा है?
- प्रदेश में रोज़ महिलाओं की आबरू लूटी जा रही है। अनेक जगह कांग्रेस के नेतागण तक छत्तीसगढ़ की बेटियों का सम्मान लूटते पकड़े गए हैं। क्या आदिवासी बच्चियों से बलात्कार में नम्बर दो प्रदेश बना देने पर शर्म महसूस करते हैं बघेल? क्या इसके लिए वे क्षमा मांगेंगे?
- छत्तीसगढ़ के 20 हजार से अधिक लोगों ने कांग्रेस राज में आत्महत्या की है। यह अधिकृत आंकड़े हैं। क्या मात्र चार वर्ष में ऐसा छत्तीसगढ़ बना देने पर शर्म नहीं आती बघेल को?
- प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों के 25 हजार से अधिक बच्चों की चिकित्सा के अभाव में मौत हुई है और यह भी संसद के आंकड़े हैं। इसे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टी. एस. सिंहदेव जी ने भी स्वीकार किया है। क्या अपने ऐसे कुशासन पर शर्म नहीं आती है बघेल जी को? ऐसा छत्तीसगढ़ रचने का सपना तो नहीं देखा था अटल जी ने।
- प्रदेश में छः सौ से अधिक किसानों ने भूपेश बघेल के शासन में आत्महत्या की है। क्या इस पर शर्म आती है बघेल जी को? उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में पचास-पचास लाख रुपया एक-एक व्यक्ति पर वोटों के लिए लुटा आने वाले बघेल ने छत्तीसगढ़ में इन छः सौ से अधिक किसानों को सांत्वना राशि के नाम पर फूटी कौड़ी नहीं दी, क्या ऐसा छत्तीसगढ़ बना देने पर शर्म नहीं आती बघेल को?

छत्तीसगढ़ महतारी का सम्मान हमें बघेल जी जैसे कुशासक से सीखने की ज़रूरत नहीं है। हमें अभिमान है अपनी छत्तीसगढ़ महतारी का दुलरुआ बेटा होने पर। बघेल जी को छत्तीसगढ़ की महान जनता को जवाब देना ही होगा, जिनके विश्वास को इन्होंने छला है। प्रदेश के जिस भरोसे के कारवां को लुटा है भूपेश जी ने, उसका जवाब इन्हें देना ही होगा। ●●●

महतारी हुंकार रैली में भूपेश बघेल पर जमकर आक्रमण

कौन चला रहा है कांग्रेस की सरकार, सोनिया या सौम्या : स्मृति ईरानी

ए फॉर अमेठी, बी फॉर बिलासपुर सी फॉर छत्तीसगढ़

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित महतारी हुंकार रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि जनता की तिजोरी लूटकर कांग्रेस का खजाना भरा जा रहा है। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के साथ भूपेश राज में 6 हजार बलात्कार के मामले हुए हैं। इन्हें शर्म आनी चाहिए। जब बलात्कार पीड़ित आत्महत्या कर ले तब यहां रिपोर्ट दर्ज होती है।

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि अमेठी की बेटी, छत्तीसगढ़ महतारी और उनकी बेटियों को प्रणाम करने आई है। मां महामाया की धरती में वीरांगना बिलासा को

प्रणाम करती हूं। उन्होंने सवाल किया कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार कौन चला रहा है सोनिया या सौम्या? स्मृति ईरानी ने कहा कि भूपेश बघेल का होम वर्क राहुल गांधी की तरह कच्चा हो गया है। केवल बिलासपुर रेलवे को 9 हजार करोड़ मोदी जी ने दिया है, सोनिया ने नहीं। उन्होंने कहा कि अमेठी में प्रचार करने भूपेश जी भी गए थे, अगर आज भूपेश जी तक मेरी बात जा रही है तो सुन लें कि अमेठी में कांग्रेस पार्टी के गढ़ में जब हमने कांग्रेस की जमानत जब्त करा दी तो यह समझ लें कि हम दुश्मन के घर में घुसकर हमला करते हैं। उन्होंने ए फॉर अमेठी, बी फॉर बिलासपुर, सी फॉर छत्तीसगढ़ का नारा बुलंद करते हुए कहा कि यहां भी कांग्रेस की जमानत जब्त करेंगे।

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि वे ये पूछना चाहती हैं कि कांग्रेस के राज में छत्तीसगढ़ की पावन भूमि पर 6 हजार बहनों की इज्जत क्यों लूटी गई? क्यों हजारों महिलाओं का अपहरण हुआ? छत्तीसगढ़ में कांग्रेस राज में बहनों के साथ गैंगरेप होता है, बहनें आत्महत्या करती हैं तब जाकर एफआईआर होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता की चिंता नहीं है। जनता की तिजोरी खाली करना उनका काम है।

केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि विपदा की घड़ी कोरोनाकाल में मोदी जी घर-घर अनाज पहुंचा रहे थे और भूपेश घर-घर दारू पहुंचा रहे थे। भाजपा ने जिंदगी का सामान बांटा और कांग्रेस ने मौत का। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि जनता पूछ रही है कि छत्तीसगढ़ में राज किसका है, रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में हैं? सोनिया जी के हाथ में है या सौम्या जी के हाथ में है? उन्होंने सवाल उठाया कि जनता का पैसा जनता के पास क्यों नहीं पहुंच रहा है? अगर पहुंचता तो कांग्रेस राज के 4 साल में 25 हजार बच्चे इलाज के अभाव में नहीं मरते। कांग्रेस के नेतृत्व ने बच्चों के शरीर से प्राण छीन लिए। मुंह से निवाला छीना और गरीबों के सिर से छत छीन ली। उन्होंने कहा कि भूपेश जी धर्म का उपहास उड़ने पर भी सत्ता के लालच में आप मौन रहते हैं। आपके राज में क्यों नारे लग रहे हैं कि हम गौरी गणेश की पूजा नहीं करेंगे। इंसान से नहीं तो भगवान से तो डरो। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से पूछा कि पोस्टर में भगवान राम के फोटो के साथ हाथ जोड़कर खड़े रहते हो लेकिन भगवान का अपमान होने पर चुप क्यों रहते हो?

महतारी और बहनों की हुंकार, गद्दी छोड़े भूपेश सरकार : अरूण साव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने विशाल हुंकार रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुना कि उनके राहुल गांधी को अमेठी जाकर हराने वाली स्मृति ईरानी आ रही हैं, तब से वे डरने लगे हैं। उन्हें डरना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कोने-कोने से आई माताओं और बहनों का यह महासमुद्र अपने खिलाफ हुए अत्याचार के विरुद्ध भुपेश सरकार के खिलाफ दहाड़ में परिवर्तित हो चुका है। भूपेश बघेल सरकार की आज से उल्टी गिनती शुरू हो गई है। भूपेश सरकार आज से अपना बोरिया बिस्तर बांध ले। महतारी और बहनों की हुंकार है गद्दी छोड़े भूपेश सरकार।

भूपेश बघेल की नींद उड़ गई हैः डॉ. रमन सिंह

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अमेठी में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को चुनाव में धूल चटाने वाली स्मृति ईरानी का स्वागत करते हुए कहा कि महतारी हुंकार रैली में छत्तीसगढ़ के चप्पे-चप्पे से आयी माता बहनों ने बिलासपुर में ताकत दिखा दी है। इसके साथ ही भूपेश बघेल की नींद उड़ गई है। अब उन्हें रात में नींद नहीं आएगी। क्योंकि उनकी छुट्टी होने वाली है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल के राज में प्रदेश में हर तरफ माफियाओं का राज चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 16 लाख गरीबों का आवास बनने से रोकने का बदला लेना है। घर-घर शराब पहुंचाने का पाप करने का बदला लेना है। 10 लाख युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा करके मुकर जाने वाले से बदला लेना है।

20 हजार महिलाओं का रोजगार छीनने वाले और अश्लील सीडी मामले में जमानत पर रहने वाले भूपेश बघेल से महिलाओं के अपमान का बदला लेना है। डॉ. रमन सिंह ने एक रुपए किलो चावल योजना, किसानों को बिना ब्याज का ऋण सहित भाजपा शासनकाल में लागू अनेक योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि तब छत्तीसगढ़ में सब सुखी थे और आज महिलाओं से लेकर किसान तक युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई परेशान है।

सभा को केन्द्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह, राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय, प्रदेश प्रवक्ता व विधायक रंजना साहू, प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने भी संबोधित किया।

महतारी हुंकार रैली में उमड़ा महिला सैलाब, 1 लाख से अधिक बहनों ने दिखाई सरकार को ताकत

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा की महतारी हुंकार रैली ने वास्तव में कांग्रेस की नींद उड़ा दी है। जगमल चौक से नेहरूनगर चौक तक निकाली गई रैली में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव, केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह, राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय , नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्वमंत्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्वमंत्री अमर अग्रवाल, राष्ट्रीय मंत्री राज्यसभा सांसद संगीता यादव, छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला मोर्चा प्रभारी निशा सिंह, गोमती साय, सांसद संतोष पांडेय, कार्यक्रम प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी, किरण देव, भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, ओपी चौधरी, विजय शर्मा, रामदेव कुमावत, सौरभ सिंह, रजनेश सिंह, लता उसेंडी, चंपादेवी पावले, मीनल चौबे, सहित कोर कमेटी के सभी सदस्य, सांसद, विधायक प्रदेश पदाधिकारी जिला अध्यक्ष, भाजपा नेताओं के साथ प्रदेश के कोने कोने से आईं हज़ारों हज़ार महिलाओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

भाजपा महिला मोर्चा की महतारी हुंकार रैली जगमल चौक से गांधी चौक होते हुए नेहरु चौक में आमसभा में परिवर्तित हुई। महिला मोर्चा ने प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का तलवार भेंटकर व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। गांधी चौक से इस रैली का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने किया। महतारी हुंकार रैली ने बिलासपुर को भाजपामय कर दिया। महतारी हुंकार रैली का जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। रैली के लिए भाजपा ने व्यापक तैयारी की। रैली में बहुत बड़ी संख्या में आम महिलाओं ने भी भागीदारी की और आज कांग्रेस सरकार को कड़ी चुनौती देकर यह बता दिया कि छत्तीसगढ़ की महिला शक्ति इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। महतारी हुंकार रैली में सभा का संचालन महिला मोर्चा महामंत्री विभा अवस्थी ने व आभार जयश्री चौकसे ने किया। ●●●

सभी रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी वृद्धि, गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 110 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा

सफेद सरसों और सरसों के लिए अधिकतम रिटर्न की दर 104 प्रतिशत है तथा यह रिटर्न गेहूं के लिए 100 प्रतिशत

मसूर के लिए 85 प्रतिशत; चने के लिए 66 प्रतिशत; जौ के लिए 60 प्रतिशत; और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 18 अक्टूबर कोविपणन सीजन 2023-24 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)में भारी वृद्धि को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार ने रबी फसलों के विपणन सीजन 2023-24 के लिए एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकोंको उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। मसूर के लिए 500/- रुपये प्रतिक्विंटल और इसके बाद सफेद सरसों व सरसों के लिए 400/- रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी में पूर्णरूप से उच्चतम वृद्धि को मंजूरी दी गई। कुसुम के लिए 209/- रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि कोमंजूरी दी गई। गेहूं, चना और जौ के लिए क्रमशः 110 रुपये प्रति क्विंटल और 100 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दी गई।

विपणन सीजन 2023-24 केलिए रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के 1.5 गुना के स्तर पर तय किया गया है, जिसका लक्ष्यकिसानों के लिए उचित पारिश्रमिक तय करना है। सफेद सरसों और सरसों के लिए अधिकतमरिटर्न की दर 104 प्रतिशत है, इसके बाद गेहूं के लिए 100 प्रतिशत, मसूर के लिए 85 प्रतिशत है; चने के लिए 66 प्रतिशत; जौ के लिए 60 प्रतिशत और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है।

वर्ष 2014-15 से तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया है। इन प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। तिलहन उत्पादन 2014-15 में 27.51 मिलियन टन से बढ़कर 2021-22 में 37.70 मिलियन टन (चौथाअग्रिम अनुमान) हो गया है। दलहन उत्पादन में भी इसी तरह की वृद्धि की प्रवृत्तिदर्ज की गई है।

2014-15 के बाद से दलहन और तिलहन की उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई है। दलहन के मामले मेंउत्पादकता 728 किग्रा/हेक्टेयर (2014-15) सेबढ़कर 892 किग्रा/हेक्टेयरहो गई है (चौथा अग्रिम अनुमान, 2021-22) अर्थात इसमें 22.53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार तिलहन फसलों में उत्पादकता 1075 किग्रा/हेक्टेयर (2014-15) सेबढ़कर 1292 किग्रा/हेक्टेयर (चौथा अग्रिम अनुमान, 2021-22) हो गई है।

केंद्र सरकार की प्राथमिकता तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ाते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्य को पूरा करना है। तैयार की गई रणनीतियां क्षेत्र के विस्तार, उच्च उपज वालीकिस्मों (एचवाईवी), एमएसपी समर्थन और खरीद के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के लिए हैं।

भारतीयरेलवे ने शुरू किए 15 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल रेल मंत्रालय द्वारा 19 अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अब तक 15 'गति शक्तिमल्टी-मोडल कार्गो टर्मिनल' (जीसीटी) चालू किए जा चुके हैं और जीसीटी के विकास केलिए लगभग 96 और स्थानों की अनंतिम रूप से पहचान की गई है। अगले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान 100 गति शक्तिकार्गो टर्मिनलों को चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। दरअसल, उद्योग की मांग और कार्गो यातायात की क्षमता के आधार पर जीसीटी के स्थान तय किए जा रहे हैं।

उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित

भारत अपने गौरव, वैभव की पुनर्स्थापना कर रहा है:पीएम

मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर विशाल सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ज्योतिषीय गणनाओं में उज्जैन न केवल भारत का केंद्र रहा है, बल्कि ये भारत की आत्मा का भी केंद्र रहा है। ये वो नगर है, जो हमारी पवित्र सात पुरियों में से एक गिना जाता है। ये वो नगर है, जहां स्वयं भगवान कृष्ण ने भी आकर शिक्षा ग्रहण की थी। उज्जैन ने महाराजा विक्रमादित्य का वो प्रताप देखा है, जिसने भारत के नए स्वर्णकाल की शुरुआतकी थी। महाकाल की इसी धरती से विक्रम संवत के रूप में भारतीय काल गणना का एक नयाअध्याय शुरू हुआ था।

उन्होंने कहा कि उज्जैन के क्षण-क्षण में, पल-पल में इतिहास सिमटा हुआ है, कण-कण में आध्यात्म समाया हुआ है औरकोने-कोने में ईश्वरीय ऊर्जा संचारित हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्जैन नेहजारों वर्षों तक भारत के धन और समृद्धि, ज्ञान और सम्मान, सभ्यता और साहित्य का नेतृत्व किया है।

भारतमें धर्म के अर्थ पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे कर्तव्यों कासामूहिक संकल्प है। हमारे संकल्पों का ध्येय है, विश्व का कल्याण,

मानव मात्र कीसेवा। श्री मोदी ने दोहराया कि हम शिव की आराधना करते हैं और विश्वपति को नमन करते हैं, जो अनेक रूपों से पूरे विश्व के हितों में लगे हैं। यही भावना हमेशा भारत के तीर्थों, मंदिरों, मठों और आस्थाकेन्द्रों की भी रही है। उन्होंने कहा कि विश्व के हित के लिए, विश्व की भलाई के लिए कितनी प्रेरणाएं यहां निकल सकती हैं।

रबी सीजन 2022-23 के लिए फॉस्फेट और पोटाशयुक्त उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 51,875 करोड़ रुपये की सब्सिडी का अनुमोदन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रि मंडल ने दो नवंबर को रबी सीजन 2022-23 (01 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक) के दौरान नाइट्रोजन (एन), फॉस्फोरस (पी), पोटाश (के), सल्फर (एस) जैसे विभिन्न पोषक तत्वों से युक्त फॉस्फेट और पोटास (पीएंडके) उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की प्रतिकिलो ग्राम दरों से सम्बन्धित उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

एनबीएसरबी-2022 (01 अक्टूबर, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक) के लिए मंत्रि मंडल द्वारा अनुमोदित सब्सिडी का परिव्यय 51,875 करोड़ रुपये होगा, जिसमें माल ढुलाई सब्सिडी के माध्यम से स्वदेशी उर्वरक

(एसएसपी) का समर्थन शामिल है। इससे रबी 2022-23 के दौरान सभी फॉस्फेट और पोटास उर्वरक रियायती/किफायती कीमतों पर किसानों को आसानी से उपलब्ध होंगे और इससे कृषि क्षेत्र को सहायता मिलेगी। उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में अस्थिरता के कारण हुई मूल्य वृद्धि को मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा वहन किया गया है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार उर्वरक निर्माताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती मूल्य पर फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों के लिए यूरिया और 25 ग्रेड उर्वरक उपलब्ध करा रही है। फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों पर सब्सिडी, एनबीएस योजना द्वारा 01 अप्रैल, 2010 से शासित की जा रही है। केंद्र सरकार अपने किसान हितैषी दृष्टिकोण के अनुरूप किसानों को सस्ती कीमतों पर फॉस्फेट और पोटास उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ●●●

तुष्टीकरण की नीति का प्रयोगशाला बना है छत्तीसगढ़: विजय शर्मा

प्रदेश भाजपा के नव नियुक्त महामंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम में लगातार पैदा किये जा रहे साम्प्रदायिक विद्वेष और प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी के तुष्टिकरण की नीति से पैदा हो रही विसंगतियों पर दीप कमल से विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत है साक्षात्कार के मुख्य अंश :-

Q पिछले वर्ष की तरह ही कवर्धा एक बार फिर से अशांत होता दिख रहा है। पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार कर्फ्यू और दंगे के हालात पैदा किये गए थे। फिर से वैसी ही सुगबुगाहट है, आखिर पूरा मामला क्या है?

देखिये, कवर्धा धर्म नगरी है। यहां शंकराचार्य जी, कबीर साहब, करपात्री जी महराज प्रभृति संतों-मनीषियों का अटूट आशीष रहा है। उन्हीं संतों की सीखों के अनुरूप कवर्धा शांति और सद्भाव की नगरी के रूप में प्रसिद्ध रहा है। लेकिन यहां जबसे वर्तमान विधायक मोहम्मद अकबर बड़े मतों से जीत कर आये हैं, उपद्रवियों का मनोबल बढ़ गया है। जाने उस चुनाव से समाज में क्या संदेश गया कि पूरी तरह अशांति फ़ैल गयी है। बात यहां हिंदू-मुस्लिम की नहीं है, नीती की है। इससे पहले भी एक मुस्लिम हमीद उल्लाह खानजी यहां से विधायक रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी मजहबी चश्मे से क्षेत्र को नहीं देखा। कवर्धा उनका जीवन था। लेकिन आज मोहम्मद अकबर के लिए कवर्धा 'यूज एंड थ्रो' जैसी चीज हो गयी है। वे उस धार्मिक नगरी को कांग्रेस के तुष्टीकरण की नीति का प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। मूलतः यही भाव कवर्धा को स्थायी शांति की तरफ नहीं जाने दे रहा है। विभाजित समाज हमेशा से कांग्रेस की राजनीति के लिए संजीवनी होता रहा है।

Q अभी फिर एक बार हिन्दू संगठनों ने कवर्धा बंद का आह्वान किया था।उनकी क्या मांगें थी और बंद का प्रतिसाद (response) कैसा रहा?

विश्व हिंदू परिषद ने कवर्धा बंद का आह्वान किया था। और यह बंद पूरी तरह से प्रभावी रहा। जिले में अनेक घटनायें घट रहीं हैं जिसमें पुलिस प्रशासन या तो मूक दर्शक बना रहता है या वर्ग विशेष को संरक्षण देता है। ऐसे ही गत वर्ष भगवा ध्वज के अपमान की जघन्य घटना डीएसपी स्तर के अधिकारी के सामने घटी थी जिसमें सरकारी सीढ़ी का उपयोग किया गया था। कवर्धा की सड़कों पर अनेक लोग हाथ में खुली तलवार लिए पुलिस के साथ घूमते रहे। जन सामान्य पर अनेक बार लाठी चार्ज हुआ, आंसू गैस के गोले गये, दर्जनों फ़र्ज़ी एफआईआर किया गया तथा सैकड़ों लोगों को जेल भेजा गया था। अभी पुनः एक घटना हुई जिसके बाद लोगों ने महसूस किया की कोई बाहरी ताक़त कवर्धा की शांति भंग करने आतुर है। बड़ी संख्या में यहां बाहर से लोगों को लाकर बसाया जा रहा है, इससे बड़ी ऊहापोह की स्थिति पैदा हो रही है। पिछले एक वर्ष से 'पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में ध्वज का अपमान, खुली तलवार ले कर चलने वालों के साथ पुलिस का कदमताल' आदि घटनाओं के न्यायिक जांच की मांग हिन्दू संगठनों द्वारा की जाती रही है। ताजा घटनाक्रम ने लोगों को पुनः सचेत किया और कवर्धा बंद करके यह मांग फिर से दुहराई गई है।

कवर्धा में आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने मंत्री का पुतला फूका। फोटो सौजन्य-भास्कर

कवर्धा में बंद अभूतपूर्व और काफी हद तक स्वतः स्फूर्त रहा, यह इस बात का परिचायक है कि लोगों के मन में कांग्रेस सरकार और विशेष कर स्थानीय विधायक के प्रति भयंकर आक्रोश है।

Q स्थानीय विधायक की इन तमाम प्रकरणों में क्या भूमिका है।

स्थानीय विधायक मोहम्मद अकबर की जीत इतनी बड़ी हुई की उन्होंने कवर्धा को बिना रीढ़ का समझ लिया है। उनके मन का ये भाव भयंकर भूत बनकर उठा और अनेक लोगों के मन में छा गया। इस भाव को शासन के प्रोत्साहन तथा प्रशासन की मूक सहमति ने और हवा दी है। इसी कारण सदा से शान्ति का टापू रहा कबीरधाम धधक उठा है।

Q आप समेत भाजपा के अनेक नेताओं के विरुद्ध, सांसद जी, पूर्व सांसद जी के विरुद्ध भी तमाम मामले दर्ज किए गए हैं। न्यायिक प्रक्रिया के अलावा उस प्रकरण में बताने लायक क्या है?

हम सभी पर आर्म्ज एक्ट लगाया गया है और जो खुली तलवार ले कर पुलिस के साथ कवर्धा की सड़कों पर घूमते रहे उनकी या प्रत्यक्ष सहयोगी पुलिस वालों की जांच भी नहीं की गई है। जब मैं जेल में था तो मुझ पर एट्रोसिटी ऐक्ट के अंतर्गत फर्जी मामला दर्ज किया गया और पूरी कोशिश की गयी कि जमानत न हो। कवर्धा के अधिवक्ताओं से पृथक दूसरे जिले से वकील नियुक्त किये गये। न्यायालय ने कवर्धा जेल में रखने का आदेश दिया था परंतु हमें रायपुर के केन्द्रीय जेल में रखा गया था। अनेक बार कवर्धा लाना ले जाना करते थे। रात के अंधेरे में अनेक लोग मूंह पर मास्क लगाए कैदी वाहन में घूसते और धमकी देते थे। मैंने न्यायालय में शपथ पत्र के साथ कहा है कि मुझे एनकाउंटर की धमकी दी गई है तब न्यायालय ने संज्ञान लिया और नियमित मेडिकल चेकअप और 24 घंटा वीडियो कैमरा के सामने रहने का आदेश दिया। संक्षिप्त में कहूं तो यही कि कांग्रेस लोगों को डरा कर दबाना चाहती है। हमलोग किसानों की समस्याओं समेत तमाम मुद्दों पर मुखर रहते हैं, इसलिए भी कांग्रेस के आंख की किरकिरी बने हुए हैं। हालांकि उन्हें यह समझ लेना होगा कि ऐसी प्रताडनाओं से भाजपा का कार्यकर्ता और मज़बूत होगा। हम झुकने वाले नहीं हैं।

Q आखिर साम्प्रदायिक विद्वेष को क्यों हवा दे रही है कांग्रेस?

कांग्रेस ने हमेशा ये माना है की हिंदू तो पूरी तरह विभाजित होते हैं। जबकि अन्य धर्मावलम्बियों का वोट एक साथ मिल जाए तो सरकार बन जाती है। इसी विकृत सोचने विशेष रूप से कांग्रेस की सरकारों को हिंदू विरोध तक पहुंचा दिया है। कांग्रेस के तुष्टिकरण की नीति का नया प्रयोगशाला छत्तीसगढ़ खासकर कवर्धा को बना दिया गया है। ये दूसरों का विश्वास जीतने के लिए ही हमेशा हिंदुओं का अपमान करते हैं। आपने पिछले दिनों देखा, खुद शासन के मंत्री ने अम्बिकापुर आदि में रोहिंग्याओं को बसाए जाने की बात की है। बस्तर के कमिश्नर ने, सुकमा जिले के एसपी ने बाकायदा पत्र लिख कर तेजी से हो रहे धर्मान्तरण को क़ानून-व्यवस्था के लिए गंभीर संकट बताया। फिर भी न केवल कांग्रेस की सरकार इस समस्या से मूंह मोड़े रही बल्कि अपने ही मंत्री और अधिकारियों की बात को सीएम खारिज भी करते रहे। इनका विभाजनकारी एजेंडा अब इस सीमा तक पहुंच चुका है।

Q आपके अनुसार इसका निदान क्या है?

इसका निदान निस्संदेह लोकतंत्र से, वोट की ताकत से ही होना है। यहां भी यह निदान वैसे ही होगा जैसे देश भर में हुआ है। समूचे देश में कांग्रेस के तुष्टीकरण की यही नीति रही है। इनकी नीति को देश की जनता समझ गयी है जिसके कारण पिछले दो आम चुनावों में केंद्र में मुख्य विपक्ष की हैसियत में भी कांग्रेस नहीं रह पायी। अगले साल छत्तीसगढ़ की जनता भी कांग्रेस को निस्संदेह वैसा ही जवाब देने वाली है।मुहम्मद अकबर और भूपेश बघेल जी जैसे नेताओं के करण ही छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस का वही हाल होगा जैसा राहुल जी और सोनिया जी के कारण समूचे देश में हो गया है। ●●●

भानुप्रतापपुर से कांग्रेस को उखाड़ फेंकने का संकल्प

5 दिसंबर का दिन खूनी पंजे के नाखून उखाड़ने का है: डॉ. रमन

भानुप्रतापपुर में नहीं हुआ कोई काम : अरुण साव

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने भानुप्रतापपुर के मतदाताओं से अपील की कि भय, आतंक और भ्रष्टाचार की सरकार को उसकी विदाई का संदेश देने का अवसर आपके सामने है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी ब्रम्हानंद नेताम को विजयी बनायें ताकि गरीबों के आवास छीनने, कोयले की दलाली खाने वाले, जनता को लूटने वाली सरकार को बता दें कि वह साल भर बाद जाने वाली है।

भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ब्रम्हानंद नेताम के नामांकन के बाद चारामा कृषि मंडी में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करते हुए डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह उपचुनाव भूपेश बघेल सरकार की वादाखिलाफी का बदला लेने का अवसर लेकर आया है। इस चुनाव से कांग्रेस सरकार के सफाये की बुनियाद भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता रखेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की पहचान सीडी और ईडी बना दिया है। एक फर्जी अश्लील सीडी जिससे छत्तीसगढ़ वासियों का सिर शर्म से झुका दिया। इस मामले में भूपेश बघेल जमानत पर घूम रहे हैं। इस सरकार की कारगुजारियों से इनके और इनके अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार का इतना पैसा आ गया है कि ईडी को डेरा डालना पड़ा। आयकर के छापे पड़ रहे हैं। बेहिसाब सम्पत्ति निकल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भाजपा शासन काल में तीस हजार किलोमीटर की सड़क बनी। भूपेश बघेल ने नई सड़कों के लिए नहीं, गड्ढे पूरने के लिए फंड रखा। वह भी नहीं हो रहा। पूरी सड़क तन डोले- मन डोले सड़क बन गयी हैं

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने आशीर्वाद देकर भूपेश बघेल को ताकतवर बनाया। अब भूपेश बघेल ने उसी ताकत का गलत इस्तेमाल कर जनता से उसका हक छीनने में लगा दी है। 5 दिसंबर का दिन खूनी पंजे के नाखून उखाड़ने का है। ●●●

छत्तीसगढ़ में बढ़ते महिला अपराध को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा प्रदेश में बढ़ते महिला अपराध , दुष्कर्म , शराबखोरी ,हत्या , लूट एवं रेडी टू इट का निजीकरण के विरोध जैसी अन्य मांगों को लेकर भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर से राज्यपाल निवास राज भवन तक 8 सूत्रीय मांगों को लेकर पैदल मार्च निकाला गया एवं राज्यपाल श्रीमती अनुसुइया उइके जी को ज्ञापन सौपा गया ,

ज्ञापन में महिला मोर्चा ने प्रमुख 8 सूत्रीय मांगे राज्यपाल के समक्ष रखी एवं निराकरण हेतु शासन को उचित निर्देश देने की मांग की गई जिसमें महिला मोर्चा ने प्रदेश में में बढ़ते अपराध एवं महिला सुरक्षा प्रमुख केंद्रित विषय था महिला मोर्चा की प्रमुख 8 सूत्रीय मांग में महिला मोर्चा ने पहले ही बिंदु में महिला सुरक्षा का विषय था प्रदेश में कांग्रेस सरकार के बनने के बाद 5 हजार से अधिक दुष्कर्म ,12 हजार से अधिक यौन उत्पीड़न एवं 1 हजार से अधिक लूट के मामले सामने आए जिसके निराकरण में शासन प्रशासन की विफलता सामने आई है।

बेटियों की दुर्दशा कांग्रेस सरकार में चरम पर : भाजपा

राजधानी रायपुर के माना एसओएस बालिका गृह नामक बाल आश्रम में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पूर्व मंत्री रमशीला साहू ने कांग्रेस सरकार की संदिग्ध कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। पूर्व मंत्री जी कहती है यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजधानी में बालिका सुधार गृह में इस तरह घटना निकलकर सामने आती है। उससे भी अधिक दुर्भाग्य जनक है महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारियों द्वारा मामले की लीपापोती करना और उसे दबाया जाना। पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री रमशीला साहू ने महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया को आड़े हाथ लेते हुए कहते हैं कि राजधानी में इतनी बड़ी वारदात हो जाती है और मंत्री जी कहती है उनके संज्ञान में नहीं। यह शर्मनाक है। अधिकारी कुछ कहते हैं। पुलिस कुछ और कहती है और जांच रिपोर्ट में कुछ और ही सामने आता हैं। पीड़िता को अभी तक वही रखा जाता है जहां उसके साथ दुष्कर्म हुआ था और उससे भी दबावपूर्ण बयान दिलवाए जाते हैं। इस घटना ने कांग्रेस सरकार की बेटियों और महतारियों के प्रति कार्यप्रणाली की पोल खोल दी है। बेटियों की दुर्दशा इस सरकार में चरम पर है।

कांग्रेस ने प्रदेशवासियों को आरक्षण के मामले में बार-बार गुमराह किया: भाजपा

भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही आदिवासियों के आरक्षण, अनुसूचित जाति की आरक्षण एवं पिछड़ा वर्ग की आरक्षण को लेकर मुखर रही और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार से यह मांग करती रही कि अध्यादेश लाकर अधिसूचना जारी करें ताकि छत्तीसगढ़ को पता चले कि किस वर्ग का कितना प्रतिशत आरक्षण छत्तीसगढ़ राज्य में है आज छत्तीसगढ़ की सरकार ने भी मान लिया प्रदेश में आदिवासियों का आरक्षण जीरो प्रतिशत है। देवलाल ठाकुर ने कहा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने यहां के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल ने अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों को आरक्षण के विषय पर गुमराह किया 19 सितंबर उच्च न्यायालय के आदेश के अधिसूचना रद्द होने के बाद से ही सरकार जानती थी सारे वर्गों का आरक्षण शून्य % हो चुका है उसके बाद भी कभी कोर्ट का बहाना करके तो कभी और कुछ बहाना कर यहां के सारे आरक्षित वर्गों के साथ अन्याय करती रही और जाति को जाति से वर्ग को वर्ग से लड़ाने का कार्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी करते रहे छत्तीसगढ़ की जनता को भ्रामक जानकारी देने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज के साथ-साथ अनुसूचित जाति एवं ओबीसी वर्ग से माफी मांगे हैं क्योंकि आज सरकार ने ही सूचना के अधिकार के तहत दी अपने पत्र में यह मान लिया कि छत्तीसगढ़ में किसी का भी आरक्षण नहीं है आरक्षण इस समय छत्तीसगढ़ में शून्य % है। कांग्रेस हमेशा आदिवासी समाज के साथ छल करती रही है कभी भी इन के विकास के लिए ठोस कार्य नहीं किए, हमेशा आदिवासी समाज को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, ऐसी स्थिति में विधानसभा का विशेष सत्र में भी कांग्रेस की सरकार आदिवासियों के साथ छल कर सकती है, अब आदिवासी समाज जाग गया है।

भाजपा ने "वॉल ऑफ करप्शन" के सामने प्रदर्शन किया

भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला द्वारा नगर निगम महापौर के भ्रष्टाचार को लेकर तेलीबांधा से लेकर वीआईपी चौक तक प्रदर्शन किया गया। महापौर एजाज ढेबर व नगर निगम द्वारा मनमाने ढंग से किए जा रहे निर्माण की दीवार को भाजपा ने "वॉल ऑफ करप्शन" का नाम दिया। रायपुर नगर निगम अंतर्गत तेलीबांधा क्षेत्र में नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट फंड के माध्यम से सड़क डिवाइडर में सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। जिसका आधे से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। परंतु इसमें स्पष्ट भ्रष्टाचार तब उजागर हुआ जब कुछ दिन पूर्व निगम द्वारा इसका टेंडर जारी किया गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह ना केवल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के पैसों का दुरुपयोग है अपितु सीधा भ्रष्टाचार है। ऐसा कैसे संभव है कि किसी कार्य का टैंडर जारी हुए बिना ही काम चालू हो गया और आधे से अधिक निर्मित भी हो गया।

बिजली बिल का करंट भूपेश सरकार का असली चेहरा उजागर कर रहा है : चंदेल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने आम जनता सहित हर वर्ग के उपभोक्ताओं के भारी भरकम बिजली बिल को भूपेश बघेल सरकार की लूटखसोट और तानाशाही करार देते हुए कहा है कि कांग्रेस सरकार जनता की जेब पर सीधा डाका डाल रही है। बिजली बिल हाफ करने का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने एक ही महीने में जनता के सिर पर 10,000 रुपये तक का बोझ डाल दिया। बिजली बिल में इस अधिभार का करंट भूपेश बघेल सरकार के असली चेहरे को उजागर कर रहा है। यह जनता के साथ छलावा है। जनता के साथ लूट है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस महंगाई पर घड़ियाली आंसू बहाते हुए देश भर में ड्रामा करती है और यहां भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार पीछे के दरवाजे से जनता की जेब से पैसा निकाल रही है। यह घोर निंदनीय है। जनता के प्रति अक्षम्य अपराध है। सरकार जनता को किसी प्रकार की राहत तो दे नहीं रही है उल्टे हर तरह से जनता को निचोड़ा जा रहा है।

मोहन मरकाम के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर हो : भाजपा

भानुप्रतापपुर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ब्रह्मानंद नेताम के ऊपर लगाए गए बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ आज भाजपा ने जिले के सभी थानों कांकेर, भानुप्रतापपुर,चारामा, कोरर,दुर्गकोन्दुल, हल्बा, हारादुला मंडल के नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के द्वारा शिकायत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

शिकायत में कहा गया है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने पीड़िता बच्ची की सरेआम पहचान उजागर की है जो पॉक्सो एक्ट की धारा 23 (2) के तहत अपराध है। साथ ही यह बयान जारी किया गया कि यह प्रपंच रचने वाली कांग्रेस की सरकार जिसके मुखिया भूपेश बघेल स्वयं सीडी कांड में जमानत पर हैं, अपराध और अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी हमें नसीहत कैसे दे रही है?प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के शिकायत देने वालों में कांकेर जिले के सभी मंडलों के कार्यकर्ता शामिल रहे।

जिला महामंत्री जितेंद्र, मंडल अध्यक्ष भानुप्रतापपुर बुधनु राम पटेल, महामंत्री डीगेश खापर्डे, ज्वाला प्रसाद जैन उपाध्यक्ष अरविंद जैन, आदिवासी मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष छत्र प्रताप दुग्गा पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष उमा देवी शर्मा रजिंदर रंधावा, सीता चंद्राकर, उर्मिला जसूजा कुमुदिनी खरे एवं युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष संकेत नशीने आकाश सोलंकी एवं अन्य भानुप्रतापपुर में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। कांकेर में वरिष्ठ नेता महावीर सिंह राठौर सहित सभी नेताओं ने मोहन मरकाम के विरुद्ध विरोध दर्ज कराया।

भूपेश हिन्दू धर्म को गंदा बताने वाले को पार्टी से बाहर कराएं या खुद त्यागें : बृजमोहन

वरिष्ठ भाजपा नेता व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष सतीश जारकिहोली द्वारा हिन्दू शब्द को गंदा शब्द बताने पर कांग्रेस पर जमकर बरसते हुए कहा है कि हिंदू शब्द की गलत व्याख्या सनातन संस्कृति का अपमान है। यही भूपेश बघेल और उनके नेता राहुल गांधी का असल राजनीतिक धर्म है। राहुल गांधी हिन्दू और हिंदुत्व को अलग अलग कर नई व्याख्या करते हैं और भूपेश बघेल राहुल के अनर्गल प्रलाप के ब्रांड एम्बेसडर बने घूमते हैं। जबकि कांग्रेस के सनातन हिन्दू विरोधी चरित्र का प्रदर्शन उसके कर्नाटक अध्यक्ष ने कर दिया है।

पूर्व मंत्री तथा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का दोहरा चरित्र सामने है। कांग्रेस मूलतः सनातन हिन्दू विरोधी है। इसके नेता जब चाहे हिंदुत्व का अपमान करते हैं। भगवान श्री राम के अस्तित्व को नकारते हैं। काल्पनिक बताते हैं और हिंदुओं के वोट की लालच में जनेऊधारी बन जाते हैं। पुष्कर हो आते हैं। गोत्र भी बता देते हैं। यहां पर कांग्रेस नेता और मुख्यमंत्री खुद अपने आप हिन्दू व सनातनी बताते हैं। भजनों पर नृत्य करने का स्वांग करते हैं। आज उन्हीं की पार्टी के कर्नाटक प्रदेश के अध्यक्ष ने हिंदू धर्म के बारे में बेहद आपत्तिजनक विवादित और निंदनीय टिप्पणी की है। अग्रवाल ने कहा कि तुष्टिकरण के झंडाबरदार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बताए कि क्या वे अपने कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष की बातों से सहमत हैं।

आदिवासियों का आरक्षण छीनने पर कांग्रेस की पोल खुली: भाजपा

भाजपा नेताओं ने भूपेश सरकार श्री के. पी. खांडे को राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसके पीछे भूपेश बघेल की मिलीभगत और षड्यंत्र से आदिवासियों को छलने और जातियों को आपस में लड़ाने का गंदा खेल खेला जा रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम उसेंडी, केदार कश्यप,लता उसेंडी व विकास मरकाम ने कहा कि विगत दिनों आदिवासियों का 32 प्रतिशत आरक्षण भूपेश सरकार की "ऐच्छिक नाकामी" के परिणाम स्वरूप माननीय उच्च न्यायालय से अपास्त घोषित हुआ। यह सभी जानते है कि 32 प्रतिशत आरक्षण को निरस्त घोषित करने के पक्ष में, पैरोकारी करने वाले एक मुख्य पक्षकार श्री केपी खांडे जी है। 32 प्रतिशत आरक्षण को निरस्त घोषित कराने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिसका इनाम देते हुए भूपेश सरकार ने उन्हें राज्य अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। यह आदिवासियों के गाल पर करारा तमाचा नही तो और क्या है? ये भूपेश सरकार की दोहरी और दोगली नीति उदाहरण और प्रमाण नही तो क्या है? प्रदेश में अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति को लड़ाकर अंग्रेजो वाली तरकीबें अपनाना बंद कीजिए भूपेश जी। "फूट डालो राज करो" की आपकी नीति उजागर हो चुकी है।

प्रदेश में बच्चों की हत्या से जनता भय के साये में : नारायण चंदेल

भिलाई के 11 वर्षीय बच्चे समीर साहू के अपहरण के बाद उसकी हत्या की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने कहा 11 साल की उम्र बच्चे की हत्या ने पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है बच्चों के साथ-साथ परिजन भी दहशत के साये में जी रहे हैं छत्तीसगढ़ में नित् दिन नए किस्म के अपराध घटित हो रहे हैं आखिर इसका कारण क्या है? श्री चंदेल ने कहा पिछले महीने में ही भिलाई दुर्ग क्षेत्र में पहले साधुओं की बर्बरता से पिटाई ,फिर दीपावली के अवसर पर ज्वेलरी दुकान में घुसकर व्यापारी की निर्मम हत्या और अब भिलाई क्षेत्र के बच्चे समीर साहू की हत्या, लगातार हो रही इन घटनाओं ने छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था पर एक गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है और प्रदेश में लगातार हो रही इन घटनाओं से जनता के मन में अब डर बैठ गया है। श्री चंदेल ने कहा समीर साहू के हत्यारों को 5 दिन में भी पुलिस पकड़ नहीं पाई है हम सरकार से आग्रह करते हैं कि जनता के जानमाल की सुरक्षा हेतु समुचित उपाय उठाए अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई हो अपराधियों में दहशत का माहौल हो व छत्तीसगढ़ से प्रदेश में किसी की भी इस प्रकार हत्या ना हो सरकार इसके लिए कड़े कदम उठाए।

32% आरक्षण के मुद्दे पर भूपेश सरकार के विरुद्ध आर-पार की लड़ाई होगी

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आदिवासी समाज का आरक्षण 32% से घटाकर 20% किए जाने तथा बस्तर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों से स्थानीय भर्ती प्राथमिकता को समाप्त किए जाने पर प्रदेश के भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया गया। माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद प्रदेश के शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो अनिर्णय की स्थिति इस सरकार ने बना रखा है उसकी भी घोर निंदा करते हुए भाजपा नेताओं ने भूपेश बघेल सरकार को चेताया कि एक तरफ बिना अधिसूचना के मेडिकल शिक्षा के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अजजा वर्ग के लिए 20% का असंवैधानिक आरक्षण रोस्टर लागू कर आदिवासी भाइयों का अधिकार छीना जा रहा है वहीं दूसरी ओर ये कांग्रेस की प्रदेश सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। भाजपा नेताओं ने भूपेश बघेल सरकार की दोगली और दोहरी नीति, समाज को लड़ाने वाली नीति को उजागर करते हुए कहा कि 32% आरक्षण के विरुद्ध मुख्य प्रतिवादी रहे केपी खांडे को अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाकर आदिवासियों के जले पर नमक छिड़का गया है।

छत्तीसगढ़ में गरीब बिना इलाज मर रहे, गुजरात में मुफ्त इलाज का झांसा दे रही कांग्रेस : कौशिक

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिये जारी कांग्रेस घोषणापत्र में 10 लाख तक मुफ्त इलाज के वादे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की तरह गुजरात में भी झूठ का पुलिंदा परोस दिया है। छत्तीसगढ़ में जो हुआ, वह देश की जनता को भी पता है, इसलिए हर चुनावी राज्य में जनता कांग्रेस को खारिज कर रही है। यूपी चुनाव में कांग्रेस भूपेश मॉडल का हश्र देख चुकी है। उत्तराखंड में भी देख चुकी है। असम और पंजाब में भी कांग्रेस पानी मांग रही है। यहां तक कि हिमाचल के लिए राहुल गांधी ने भूपेश मॉडल को दरकिनार कर दिया। अब गुजरात में कांग्रेस एक बार फिर दिन में सपने देख रही है तो भूपेश बघेल सरकार की वादाखिलाफी से वाकिफ गुजरात की जनता कांग्रेस को दिन में तारे दिखा देगी। वरिष्ठ भाजपा नेता धरमलाल कौशिक ने कहा कि बहुत शर्म की बात है कि कांग्रेस ने 4 साल पहले छत्तीसगढ़ में वादा किया था कि हर व्यक्ति को कांग्रेस 20 लाख रुपए का इलाज मुफ्त देगी लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप में देखा गया कि कैसे गरीब से गरीब परिवार छत्तीसगढ़ में अपना इलाज अपनी जमीन जायदाद बेचकर करवाने को मजबूर रहा।

आदिवासियों की जमीन पर अवैध कब्जे का खुला खेल जारी

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता नीलू शर्मा ने प्रदेश की भूपेश सरकार को आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि कांग्रेस के राज में भू माफियाओं का आतंक इस कदर जारी है की आदिवासियों की जमीन भी बच नहीं पा रही है एक तो प्रदेश की भूपेश सरकार ने आदिवासियों के आरक्षण में भांजी मारकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के बजाए और दूर कर दिया है अब भू माफियाओं से उनकी जमीन छीनवा कर लगता है कि प्रदेश सरकार इन्हें प्रदेश बदर करना चाहती है। भाजपा प्रवक्ता ने प्रदेश की सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राजनांदगांव जिले के ग्राम मनगटा के करीब झूराडबरी ग्राम पंचायत में भू माफियाओं ने सरकारी जमीन के साथ-साथ आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर ली है। राजनांदगांव शहर से 22 किलोमीटर दूर जंगल सफारी के रूप में उभरते वन चेतना केंद्र के समीप जारी अवैध प्लाटिंग के खेल में बड़े-बड़े लोगों का हाथ है। इस अवैध प्लाटिंग के खेल में अब तक कार्यवाही नहीं होने के पीछे कुछ नामचीन चेहरों का शामिल होना सामने आ रहा है। लोगों की जमीन जिसमें आदिवासियों की जमीन भी शामिल है जिसे पूर्व में पदस्थ कुछ अफसरों ने भी खरीदी हैं, भू माफियाओं ने ग्राम झूराडबरी के अधिकांश हिस्से में कब्जा जमा लिया है लेकिन प्रशासन कुछ भी करने की स्थिति में नहीं है। लगता है कि इन्हें भू माफियाओं को अपने बड़े आकाओं का संरक्षण प्राप्त है जिनकी राजनीतिक रसूख सिर चढ़कर बोलती है। श्री शर्मा ने कहा कि अवैध प्लाटिंग का खेल केवल झूराडबरी जैसे ग्राम पंचायत में नहीं बल्कि भू माफियाओं का अवैध प्लाटिंग का जाल संस्कारधानी कहे जाने वाली शहर तक पहुंच गया है।

किसानों की आत्महत्या ने कांग्रेस की किसान विरोधी नीतियों की पोल खोली: भाजपा

बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम छिछली जशपुर नगर के किसान रामकुमार उर्फ उज्जवल यादव की आत्महत्या पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव ने कांग्रेस सरकार से पूछा है अगर आप की नीतियां सही हैं व आप बार-बार किसानों को खुशहाल करने का जो दावा करते हैं वह उचित है तो किसान लगातार आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? श्री अरुण साव ने कहा 26 वर्ष के युवा का महज 40 हजार के कर्ज के लिए आत्महत्या कर लेना इस बात को दर्शाता है कि किसानों को राज्य सरकार से कोई उम्मीद नहीं है 40 हजार के कर्जे के लिए एक युवा का हमारे बीच से चले जाना बेहद पीड़ादायक है।

श्री साव ने कहा भाजपा सरकार ने किसानों के समुचित विकास की नीतियां बनाई थी जिसमें प्रमुख रुप से 0% ब्याज पर ऋण की सुविधा देना भी था अगर यही सुविधा रामकुमार, उज्जवल यादव को मिल जाती तो शायद उसे जान न देनी पड़ती । कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए भाजपा द्वारा चलाई गई सारी योजनाओं को भी बंद कर दिया है व उन्हें किसी प्रकार की मदद नहीं दे रही है बल्कि बार-बार किस्तों में पैसा देकर परेशान करना ,उनकी फसलों को खरीदने में बार-बार नियमों में बदलाव करना, उन्हें बार दाने की ,टोकन की वजन की बेवजह की नियमावली से परेशान करना,उन्हे घटिया खाद खरीदने मजबूर करना व सरकार की अन्य गलत नीतियों के कारणों से प्रदेश का किसान त्रस्त है, निराश हताश है ,खुद को किसान पुत्र कहने वाले मुख्यमंत्री के राज में अगर 600 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है तो यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस सरकार की नीतियां किसान विरोधी है।

आदिवासी आरक्षण में कटौती पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा का पूरे प्रदेश में चक्का जाम

प्रदेश भर में आदिवासी आरक्षण में कटौती को लेकर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के साथ मिलकर नेताओं ने अलग-अलग जगहों पर चक्काजाम कर अनुसूचित जनजाति आरक्षण में कटौती का विरोध किया। इस दौरान प्रदेश की लापरवाह एवं भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार की बदनीयती की वजह से अनुसूचित जनजाति वर्ग को मिलने वाला आरक्षण 32 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत करने पर प्रदेश सरकार के विरुद्ध जमकर हल्ला बोला। राजधानी रायपुर में चक्का जाम के तहत प्रथम नेता प्रतिपक्ष व अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकुमार साय, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष जयंतीभाई पटेल, अनुसूचित जनजाति आयोग के जिलाध्यक्ष बजरंग ध्रुव सहित हजारों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता नंदकुमार साय ने कहा कि भाजपा ने आदिवासी समाज को उसका हक दिया और कांग्रेस ने आदिवासियों के साथ विश्वासघात किया। भाजपा आदिवासियों को 32 फीसदी आरक्षण दिलाने सड़क से लेकर हर स्तर पर आदिवासियों के साथ है।

चार्जशीटेड, जमानतधारी भूपेश किसी को बलात्कारी कैसे ठहरा सकते हैं : मूणत

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व शासन के पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की टिप्पणी पर कड़ा ऐतराज व्यक्त करते हुए कहा है कि एक चार्जशीटेड और जमानत पर घूम रहा व्यक्ति किसी को बलात्कारी कैसे ठहरा सकता है? प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत ने कहा कि अश्लील सीडी कांड में गिरफ्तार होकर जेल जाने वाले भूपेश बघेल जमानत पर बाहर हैं और उनके विरुद्ध अभियोग पत्र भी दाखिल है। वे मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद पर किस नैतिकता से बैठे हैं? वे जिस तरह भानुप्रतापपुर उपचुनाव के प्रत्याशी के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी करते हुए उन्हें बलात्कारी घोषित कर रहे हैं, यह अधिकार उन्हें किस कानून ने दे दिया? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ कांग्रेस साजिश कर रही है। कांग्रेस हार रही है तो मुख्यमंत्री भाजपा प्रत्याशी को बलात्कारी कह रहे हैं जबकि उनके विरुद्ध न तो कोई अभियोग दाखिल हुआ है और न पीड़िता ने उनके विरुद्ध कोई बयान दिया है। कानूनन किसी आरोपी या अभियुक्त को दोषी नहीं कहा जा सकता।

भाजपा महिला मोर्चा द्वारा 11 नवम्बर को बिलासपुर में आयोजित महतारी हुंकार रैली के मद्देनजर भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में महिला मोर्चा, भाजपा जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष की बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, भाजपा सहप्रभारी नितिन नबीन,प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत सहित वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे।

नक्सली ग्रामीणों को मौत की सजा दे रहे हैं, भूपेश सरकार तमाशबीन बनी है : देवलाल ठाकुर

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने छत्तीसगढ़ में नक्सलियों द्वारा आये दिन तथाकथित जनअदालत लगाकर निर्दोष आदिवासियों की सिलसिलेवार निर्मम हत्या की कड़ी में एक बार फिर बीजापुर जिले के पामेड़ थाना क्षेत्र के कोतापल्ली में ग्रामीण की हत्या पर रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार नहीं चाहती कि नक्सलवाद खत्म हो। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस और नक्सलियों के बीच संबंध होने का आरोप लगाते हुए कहा कि अभी कांग्रेस पार्टी के एक पदाधिकारी नक्सलवादियों का इलाज कराने तेलंगाना पहुंचे थे और वहां महिला व पुरुष नक्सलियों के साथ पकड़े गए। कांग्रेस उन नक्सलियों की मददगार बनी हुई है, जो बर्बरता से छत्तीसगढ़ के बेकसूर, भोले भाले आदिवासियों की हत्या कर रहे हैं। इससे पहले शहीदी सप्ताह में भी 12000 नक्सलियों ने रैली निकालकर अपनी ताकत दिखाई थी। 6 महीने तक उस आयोजन की तैयारी चली। लेकिन कांग्रेस सरकार आंख मूंद कर सोती रही। बच्चों के सामने पिता की जो निर्मम हत्या हुई है, जिस तरह नक्सली जब चाहे, ग्रामीणों का अपहरण कर उनकी हत्या कर रहे हैं, उसके लिए कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस और उसकी राज्य सरकार के मुखिया कहते हैं कि छत्तीसगढ़ में कानून का राज है। कांग्रेस बताये कि नक्सली अपनी अदालत लगाकर लोगों को मौत की सजा सुना रहे हैं और हत्या कर रहे हैं तो क्या छत्तीसगढ़ में यही कानून का राज है?

जनता लगा रही है मुर्दाबाद के नारे, कांग्रेस करनी का फल भोगने तैयार रहे: कश्यप

प्रदेश भाजपा महामंत्री केदार कश्यप ने बस्तर प्रभारी और आबकारी मंत्री कवासी लखमा के सामने भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ सामने आए जन आक्रोश का हवाला देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ की जनता का कांग्रेस सरकार से भरोसा उठ गया है। भूपेश बघेल सरकार की वादाखिलाफी और अत्याचार से त्रस्त जनता पूरे प्रदेश में खुले विरोध पर उतर रही है। अगर यह सरकार नहीं सुधरी तो जनता शीघ्र ही खुद फैसले लेने लगेगी। मुख्यमंत्री, उनके मंत्रियों और कांग्रेस के विधायकों से जनता अब 4 साल बाद जवाब मांग रही है तो ये जवाब देने की बजाय रिकॉर्ड बजा रहे हैं। जनता पर भड़क रहे हैं। जनता का अपमान कर रहे हैं। इसलिए जनता सरकार मुर्दाबाद के नारे लगा रही है। जब जनता जवाब मांग रही है तो उसे जवाब मिलना चाहिए। यह जनता का हक है क्योंकि उसने ही सरकार को चुना है लेकिन कांग्रेस की सरकार बहानेबाजी कर रही है।

महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भानुप्रतापपुर में मंत्री के सामने जनता खड़ी होकर अपना हक मांगने लगी। भूपेश बघेल सरकार मुर्दाबाद के नारों से भूपेश के मंत्री का स्वागत बता रहा है कि कांग्रेस सरकार कितने पानी में है। इससे पहले गरियाबंद में किसान भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे और भुपेश की पुलिस ने किसानों पर दमनचक्र चलाया गया। महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि गंगा मैया की झूठी कसम खाने वाले अब छत्तीसगढ़ माटी का अपमान कर रहे हैं और उसकी भी झूठी कसम खा रहे हैं। छत्तीसगढ़ का अमन चैन और विकास खा जाने वालों ने भ्रष्टाचार के नरवा में डुबकी लगाकर छत्तीसगढ़ को लूटा है और जनता से ठगी की है।

प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदे राज्य सरकारः चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने एक नवम्बर से घोषित धान खरीदी की व्यवस्थाओं को अपर्याप्त बताते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने भाजपा की लगातार मांग के दबाव में समय पर धान खरीदी की मुनादी तो पीट दी लेकिन सुव्यवस्थित तरीके से धान खरीदी का इंतजाम नहीं किया है। एक रोज बाद धान खरीदी शुरू होना है और सरकार इससे ज्यादा नृत्य उत्सव की तैयारी में व्यस्त है। जैसी गंभीरता नृत्य की तैयारी देखने में दिखाई जा रही है, वैसी गंभीरता धान खरीदी की व्यवस्था में नजर नहीं आ रही। सरकार प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी सुनिश्चित करें।

नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने कहा कि सरकार ने इस वर्ष 1 करोड़ 10 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। गत वर्ष की स्थिति हम सभी ने देखी है। पिछले साल राज्य सरकार की लापरवाही के कारण बारदाने को लेकर किसानों को परेशान किया गया, उसे किसान भूले नहीं हैं। इस साल भी धान खरीदी केंद्रों में पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है। जिसकी वजह से इस बार भी किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार गीले धान का बहाना बनाकर किसानों को निराश करती है। इस साल इस तरह की कोई बहानेबाजी भाजपा चलने नहीं देगी। किसान जो भी धान लेकर आयें, सरकार उसे खरीदे।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि जैसे तैसे धान खरीदी हो जाती है तो उसका परिवहन सलीके से नहीं होता। समय पर परिवहन नहीं होने के कारण धान सड़ जाता है। इसलिए खरीदी के फौरन बाद धान के परिवहन की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती के अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों के साथ प्रदेश कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित करते श्री अजय जाम्वाल और श्री पवन साय।

काम होने के बाद टेंडर, फंड भ्रष्टाचार के लिए सरेंडरः सांसद सुनील सोनी

सांसद सुनील सोनी ने फंड का दुरुपयोग कर अपने लोगों को फायदा पहुंचाने, नियमों का उल्लंघन कर विकास के नाम पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि तेलीबांधा से वीआईपी रोड पर डिवाइडर सजाने संवारने के नाम पर दो करोड़ रुपए का खेल किया गया है। जब काम लगभग हो गया है तब नगर निगम ने इसका टेंडर जारी किया है। निविदा सूचना बता रही है कि निविदा प्रपत्र 9 नवंबर से दिए जाएंगे। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 16 नवंबर है। इसी दिन टेंडर खोला जाएगा। अब सवाल यह है कि जब काम निबट गया है तो इसी काम का टेंडर कैसे दिया जा सकता है? काम होने के बाद निविदा सूचना जारी होना भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा प्रमाण है। राजधानी की जनता और शहर से नई राजधानी जाने वाले जिम्मेदार लोग माह भर से डिवाइडर पर गमले बनते देख रहे हैं और यह काम जैसा भी हो रहा है, वह पूर्णता पर है। तब उसकी टेंडर प्रक्रिया सामने आ रही है, भ्रष्टाचार का इससे बड़ा नमूना और क्या हो सकता है? कांग्रेस के राज में पूरे प्रदेश में यही हो रहा है कि काम पहले हो जाता है और निविदा बाद में निकलती है। सांसद सुनील सोनी ने कहा कि गमला संस्कृति से कांग्रेस का पुराना नाता है। इसके बड़े नेता पी. चिदम्बरम गमले में करोड़ों रुपए की गोभी उगाने का चमत्कार दिखा चुके हैं और अब कांग्रेसी महापौर वाली रायपुर नगरनिगम ने कुछ सौ मीटर के डिवाइडर पर करीब 2 करोड़ की गमलागिरी का नमूना पेश किया है।

अनुकम्पा नियुक्ति की मांग पर आंदोलनरत महिलाओं को समर्थन देने पहुंचे डॉ रमन सिंह

करीब 1 महीने से अनुकम्पा नियुक्ति शिक्षाकर्मी कल्याण संघ के बैनर तले अनुकम्पा नियुक्ति की मांग पर महिलाएं आंदोलनरत हैं। इस दौरान धरना दे रही विधवा महिलाओं के सब्र का बांध टूट पड़ा। कल एक महिला ने बूढ़ा तालाब में छलांग लगाने का प्रयास भी किया। धरना स्थल पर धरना दे रहीं महिलाएं अनुकम्पा नियुक्ति की मांग कर रही हैं। ये वो महिलाएं हैं जिनके पति पंचायत स्तर के स्कूलों में पढ़ा रहे थे। किसी की हादसे में मौत हो गई तो किसी को बीमारी ने छीन लिया। अब इन महिलाओं का कहना है कि पति की जगह सरकारी नौकरी दी जाए।

धरना स्थल पर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने महिलाओं की मांग को लेकर संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अनुकम्पा नियुक्ति की मांग को तत्काल स्वीकार करे।

श्रद्धांजलि : नैय्यर जी पत्रकारिता के विश्वविद्यालय थे

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठतम पत्रकार रमेश नैय्यर के निधन पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि नैय्यर जी पत्रकारिता के विश्वविद्यालय थे। वे देश के मूर्धन्य पत्रकार थे। राष्ट्रीय पत्रकारिता में उनका विशिष्ट योगदान और छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता में उनका अतिविशिष्ट योगदान है,जो अमर है। नैय्यर जी ने पत्रकारिता की गरिमा को संवर्धित करते हुए नई पीढ़ी को मार्गदर्शन दिया। वे नैतिक मूल्य आधारित पत्रकारिता के प्रतीक के रूप में सदा सर्वदा स्मरण किये जायेंगे। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी कमी शायद कभी पूरी नहीं की जा सकेगी। भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं की तरफ से उन्हें श्री साव ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

बघेल राज में स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर, बेमौत मर रहे मरीज : डॉ. बांधी

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व छत्तीसगढ़ के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने कहा है कि भूपेश बघेल के राज में स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है और मरीज उपचार के अभाव में बेमौत मर रहे हैं। सरकार की लापरवाही लोगों की जान की दुश्मन बनी हुई है। विश्व की सबसे बड़ी लोक स्वास्थ्य योजना आयुष्मान का केवल राजनीतिक कारणों से विरोध करने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनता को 20 लाख का मुफ्त इलाज देने का वादा किया था जबकि हकीकत यह है कि मरीज सरकार की लापरवाही से मौत के मुंह में समा रहे हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बांधी ने डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना का सर्वर एक पखवाड़े से ठप होने से इलाज के अभाव में एक महिला की मौत के हवाले से कहा कि खुद डॉक्टर कबूल कर रहे हैं कि सर्वर ठप होने की वजह से महिला की एंजियोप्लास्टी की मंजूरी मिलने में देर हुई। सरकार और उसका स्वास्थ्य विभाग जनता की जिंदगी से यह कैसा खिलवाड़ कर रहे हैं? स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर आरोप लगाते हैं कि बार बार मांगने पर भी स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए राशि नहीं मिलती। कोरोना के नाम पर शराब से वसूली गई सारी रकम में से एक पैसा भी स्वास्थ्य विभाग को नहीं दिया गया। स्वास्थ्य योजना का सर्वर ठप पड़ा है, स्वास्थ्य मंत्री सो रहे हैं और मुख्यमंत्री हिमाचल घूम रहे हैं। अब गुजरात घूमेंगे। ●●●

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं या WhatsApp कर सकते हैं। फोन से भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

कार्यकारी संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर। (छग), फोन : 0771-2233500, WhatsApp 9425507006, E mail – jay7feb@gmail.com

पामगढ़ (जांजगीर-चांपा) में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा आयोजित अनुसूचित जाति सम्मेलन में अरुण साव जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कांग्रेस, बसपा व अन्य पार्टी के 350 कार्यकर्ताओं ने भाजपा के विचार एवं श्री नरेंद्र मोदी सरकार सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में प्रवेश किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरुण साव जी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय जी सहित भाजपा नेताओं ने भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मनेन्द्रगढ़ के पूर्व विधायक स्व. दीपक कुमार पटेल जी के आकस्मिक निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

जय जूदेव...

जशपुर में आयोजित एक भव्य एवं गरिमामय समारोह में संघ प्रमुख श्री मोहन भागवत जी ने स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी की प्रतिमा को लोकार्पित किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव समेत विशाल संख्या में क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।